Lecture - 125.

भारत- अमेरिका संबंध

- Mamta Rani
Guest Assist. Prof.
Deptt. of History.
SNSRKS College,
Saharsa.

BA Part - 3rd -
General ~~Science~~.
Studies -

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

बनी है।

चूँकि भी देश वर्तमान समय में आर्थिक रूप से अधिक जुड़ा हुआ है क्यों कि यह वैश्वीकरण का युग है यूरोपिय संघ के देशों के बाद भारत का सबसे अधिक व्यापार अमेरिका से ही होता है और दोनों देशों के संबंधों को मजबूती प्रदान करता है यह इस बात से स्पष्ट होता है कि 2008 की विश्व आर्थिक मंदी के बावजूद भी हमारा अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों में भी वाणिज्य व्यापार क्षेत्र में 80% बढ़ोतरी हुआ था।

पर्यावरण की समस्या से वर्तमान समय में सम्पूर्ण विश्व जूझ रहा है इसलिए इससे [illegible] रूप में इसको का प्रयास किया जाता और पेरिस समझौता में भी दोनों देशों के बीच सकारात्मक माहौल में चीजा निर्माण हुआ।

अपनी रक्षा एवं विश्व जनमत की रक्षा की दिशा साथ मिलकर कार्य करने की दिशा में भी कदम उठाया लिया गया। महामारी जैसी परिस्थिति का सामना हेतु U.S.A के भारत को [illegible] सहायता देने एवं लोन का आश्वासन दिया है और व्यापार योजना कायम है।

माननीय प्र० नरेन्द्र मोदी के डिजीटल इण्डिया कार्यक्रम के परिपेक्ष्य में यह यात्रा बहुत अधिक मायने रखता है क्योंकि संचार व्यवस्था के क्षेत्र में इनकी सिलीकॉन वैली की भूमिका निश्चित रूप से बड़ा कदम है। Google के C.O. सुंदरपिचाई f.b का जुकरबर्ग, माइक्रोसॉफ्ट के C.O सत्या नडेला आदि उद्योगपतियों वार्ता करना और भारत के सन्दर्भ में इनके भूमिका का सम्पूर्ण रूप में सहयोग करने का आश्वासन देना निश्चित ही इससे और संचार के क्षेत्र में भारत की स्थिति काफी मजबूत हो जायेगी।

उपर्युक्त के अतिरिक्त दोनों देशों में प्रायः समय आपस में बातचीत करने का मार्ग को जोड़कर स्थापित का कार्य भी होता है।

भारत विश्व आर्थिक शक्ति के रूप में और विश्व के सबसे लोकतंत्र देश में तत्कालीन समय साथ देने वाले राष्ट्र के रूप में उभरकर हो जाना इसलिए अमेरिका ने भी स्थायी सदस्य के रूप में समर्थन दिया है भारत के साथ-2 आर्थिक शक्ति और व्यापार अंतर्गत [illegible] और स्वास्थ्य की समस्या, [illegible] है निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच [illegible] महत्वपूर्ण है कि [illegible] की अमेरिका यात्रा [illegible] और [illegible] रिश्ते को मजबूत स्थापित करे है इससे साथ भारत वाणिज्य नीति के पथ

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

भारत अमेरिका संबंध पर का वर्णन करे।

सितम्बर 2015

* टिकाऊ विकास मिशन → 17 प्रकार के लक्ष्य को निर्धारित किया गया।
* सैन्य एवं परमाणु समझौता → संयुक्त रूप से सैन्य अभियान अभ्यास
* वाणिज्य व्यापार → 2008 में (परमाणु समझौता कार्यक्रम) - पंजीकृत है
* पर्यावरण → विश्व आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत पर नहीं बल्कि 80% व्यापार बढ़ा था। आयात निर्यात का बढ़ावा।
* रक्षा · आतंकवाद → पेरिस सम्मेलन में भी इस बात पर सहमति बनी
* संचार → मिलजुलकर आतंकवाद को समाप्त करना।
* द्विपक्षीय वार्ता → सिलिकॉन वैली की यात्रा। गुजरात → डीजीटल इण्डिया के साथ जोड़ा जा रहा है
→ वार्ता का मार्ग खुला रखना
* सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य → भारत के साथ ब्राजील, जापान, जर्मनी भी दावेदार है (G-4 नामक संगठन का निर्माण) अमेरिका ने भी समर्थन किया।

∴ इस प्रकार यात्रा का अंत काफी सकारात्मक रहा और दोनों देशों के बीच के संबंध में और तपीता पर दिखाई देता है

भारत की विदेश नीति के सन्दर्भ में U.S.A और भारत का संबंध बनते बिगड़ते संबंधों का वर्तमान में एक सकारात्मक रूप निकलकर सामने आया है 26 जून 2015 अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा को गणतंत्र दिवस समारोह के अन्तर्गत मुख्य अतिथि बनाया भारत की स्थायी सदस्य मार्ग में आतिशीय जा सकता और और इन्हीं के आगमन पर sep 2015 में प्रधान मंत्री N M की अमेरिका यात्रा कई मायनों में बेहद सफल माना गया। दोनों देशों के बीच कुछ मसलों पर सहमति बना इसका संक्षिप्त वर्णन ~

वार्ता के प्रारंभिक चरण में प्रधान मंत्री मोदी के सम्मान में इसका आयोजन किया गया और 17 वर्ष लक्ष्य / विकासात्मक कार्यों के लक्ष्य के रूप में घोषित किया गया क्योंकि आज विश्व का कोई भी देश आर्थिक रूप से कमजोर होते हुए भारत की अनदेखी नहीं कर सकते हैं)

दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभियान पर भी सहमति बना और भारत व अमेरिका के लड़ाकू विमान स्वदेशी की अपनी आर्थिक सहमति प्रदान कर दिया है साथ ही रक्षा की रक्षा और विकासात्मक मार्ग के लिए [illegible] स्थापित करने और रखने पर भारत ने सहमति किया। [illegible]